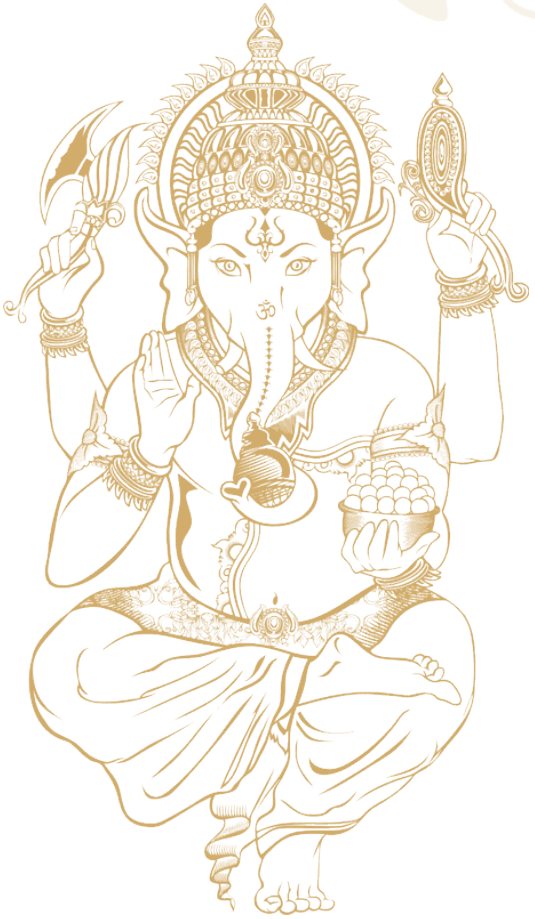

# Sumit Sharma

19 Nov 1996

09:10 PM

Khurja

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121254102

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **19/11/1996** |
| दिन | मंगलवार |
| **जन्म समय** | **21:10:00 घंटे** |
| इष्ट | 36:04:54 घटी |
| **स्थान** | **Khurja** |
| राज्य | Uttar Pradesh |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:15:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:51:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:18:36 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 20:51:24 घंटे |
| वेलान्तर | 00:14:35 घंटे |
| साम्पातिक काल | 00:47:11 घंटे |
| सूर्योदय | 06:44:02 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:24:00 घंटे |
| दिनमान | 10:39:58 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 03:46:54 वृश्चिक |
| लग्न के अंश | 28:28:32 मिथुन |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मिथुन - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **कुम्भ - शनि** |
| **नक्षत्र-चरण** | **पू०भाद्रपद - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | गुरु |
| योग | हर्षण |
| करण | तैतिल |
| गण | मनुष्य |
| योनि | सिंह |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मेष |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | वायु |
| जन्म नामाक्षर | सो-सोमनाथ |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - लौह |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मिथु | 28:28:32 | 309:56:43 | पुनर्वसु | 3 | 7 | बुध | गुरु | शुक्र | --- |
| सूर्य | | | वृश्चि | 03:46:54 | 01:00:33 | अनुराधा | 1 | 17 | मंगल | शनि | शनि | मित्र राशि |
| चंद्र | | | कुंभ | 24:40:39 | 13:56:07 | पू०भाद्रपद | 2 | 25 | शनि | गुरु | बुध | सम राशि |
| मंगल | | | सिंह | 17:02:58 | 00:30:33 | पू०फाल्गुनी | 2 | 11 | सूर्य | शुक्र | चंद्र | मित्र राशि |
| बुध | | अ | वृश्चि | 13:50:26 | 01:31:59 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | राहु | सम राशि |
| गुरु | | | धनु | 22:15:57 | 00:11:27 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | स्वराशि |
| शुक्र | | | तुला | 01:58:54 | 01:13:50 | चित्रा | 3 | 14 | शुक्र | मंगल | केतु | मूलत्रिकोण |
| शनि | व | | मीन | 06:58:00 | 00:01:28 | उ०भाद्रपद | 2 | 26 | गुरु | शनि | बुध | सम राशि |
| राहु | | | कन्या | 13:02:19 | 00:01:13 | हस्त | 1 | 13 | बुध | चंद्र | राहु | मूलत्रिकोण |
| केतु | | | मीन | 13:02:19 | 00:01:13 | उ०भाद्रपद | 3 | 26 | गुरु | शनि | राहु | मूलत्रिकोण |
| हर्ष | | | मक | 07:31:10 | 00:01:59 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | केतु | --- |
| नेप | | | मक | 01:41:39 | 00:01:24 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | गुरु | --- |
| प्लूटो | | | वृश्चि | 08:58:10 | 00:02:22 | अनुराधा | 2 | 17 | मंगल | शनि | शुक्र | --- |
| दशम भाव | | | मीन | 19:00:22 | -- | रेवती | -- | 27 | गुरु | बुध | केतु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:49

## लग्न-चलित

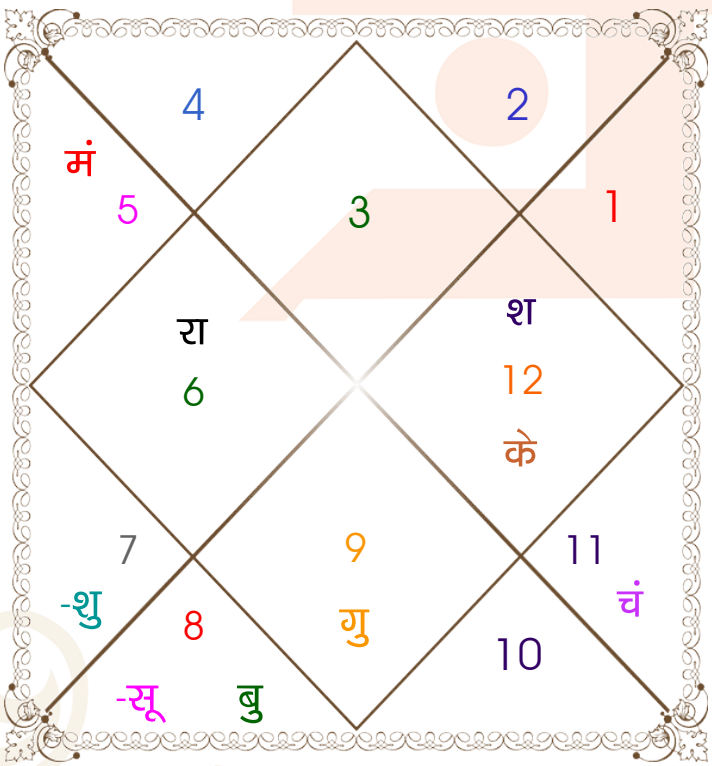


## चन्द्र कुंडली

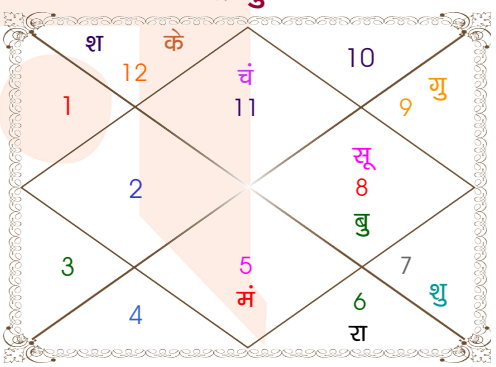


## नवमांश कुंडली

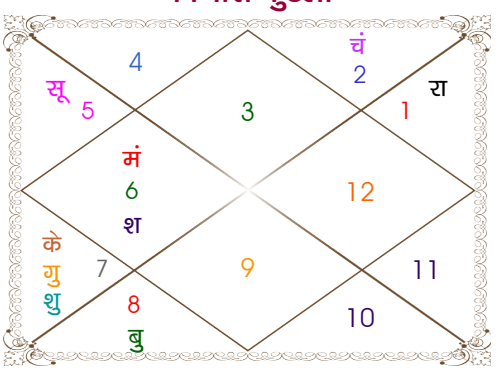

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 4 मास 19 दिन

| गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 19/11/1996 | | 10/04/2007 | | 10/04/2026 | | 10/04/2043 | | 10/04/2050 | |
| 10/04/2007 | | 10/04/2026 | | 10/04/2043 | | 10/04/2050 | | 10/04/2070 | |
| | 00/00/0000 | शनि | 13/04/2010 | बुध | 06/09/2028 | केतु | 06/09/2043 | शुक्र | 09/08/2053 |
| | 19/11/1996 | बुध | 21/12/2012 | केतु | 03/09/2029 | शुक्र | 05/11/2044 | सूर्य | 10/08/2054 |
| बुध | 17/03/1998 | केतु | 30/01/2014 | शुक्र | 04/07/2032 | सूर्य | 13/03/2045 | चंद्र | 09/04/2056 |
| केतु | 20/02/1999 | शुक्र | 01/04/2017 | सूर्य | 10/05/2033 | चंद्र | 12/10/2045 | मंगल | 10/06/2057 |
| शुक्र | 21/10/2001 | सूर्य | 14/03/2018 | चंद्र | 10/10/2034 | मंगल | 11/03/2046 | राहु | 09/06/2060 |
| सूर्य | 10/08/2002 | चंद्र | 13/10/2019 | मंगल | 07/10/2035 | राहु | 29/03/2047 | गुरु | 08/02/2063 |
| चंद्र | 10/12/2003 | मंगल | 21/11/2020 | राहु | 25/04/2038 | गुरु | 04/03/2048 | शनि | 10/04/2066 |
| मंगल | 15/11/2004 | राहु | 28/09/2023 | गुरु | 31/07/2040 | शनि | 13/04/2049 | बुध | 08/02/2069 |
| राहु | 10/04/2007 | गुरु | 10/04/2026 | शनि | 10/04/2043 | बुध | 10/04/2050 | केतु | 10/04/2070 |

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10/04/2070 | | 09/04/2076 | | 10/04/2086 | | 10/04/2093 | | 11/04/2111 | |
| 09/04/2076 | | 10/04/2086 | | 10/04/2093 | | 11/04/2111 | | 00/00/0000 | |
| सूर्य | 29/07/2070 | चंद्र | 08/02/2077 | मंगल | 06/09/2086 | राहु | 22/12/2095 | गुरु | 29/05/2113 |
| चंद्र | 27/01/2071 | मंगल | 09/09/2077 | राहु | 25/09/2087 | गुरु | 16/05/2098 | शनि | 11/12/2115 |
| मंगल | 04/06/2071 | राहु | 11/03/2079 | गुरु | 30/08/2088 | शनि | 23/03/2101 | बुध | 20/11/2116 |
| राहु | 28/04/2072 | गुरु | 10/07/2080 | शनि | 09/10/2089 | बुध | 11/10/2103 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 14/02/2073 | शनि | 08/02/2082 | बुध | 07/10/2090 | केतु | 28/10/2104 | | 00/00/0000 |
| शनि | 27/01/2074 | बुध | 11/07/2083 | केतु | 05/03/2091 | शुक्र | 29/10/2107 | | 00/00/0000 |
| बुध | 03/12/2074 | केतु | 09/02/2084 | शुक्र | 04/05/2092 | सूर्य | 22/09/2108 | | 00/00/0000 |
| केतु | 10/04/2075 | शुक्र | 09/10/2085 | सूर्य | 09/09/2092 | चंद्र | 24/03/2110 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 09/04/2076 | सूर्य | 10/04/2086 | चंद्र | 10/04/2093 | मंगल | 11/04/2111 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 4 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।